बेहतर प्रशासन के लिए निःस्वार्थ भावना, करूणा व प्रतिबद्धता आवश्यक

माउंट आबू, 22 जून। अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल जे.जे.सिंह ने कहा है कि प्रशासकों को बेहतर प्रशासन के लिए मन में निःस्वार्थ भावना, करूणा व प्रतिबद्धता को स्थान देना होगा। आध्यात्मिकता एक रोशनी की तरह कार्य करती है जिससे जीवन का अंधकार दूर होता है। यह बात उन्होंने रविवार को ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रशासनिक सेवा प्रभाग की ओर से ज्ञान सरोवर में बेहतर समाज के लिए प्रशासन विषय पर आयोजित सम्मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि प्रशासन जन सेवा का सशक्त माध्यम है जो लोगों के दुःख दर्द दूर करने, उनके प्रति प्यार, सदभावना व सहानुभूति रखने में अहम भूमिका अदा करता है। प्रशासकों, प्रबंधकों को प्रशासन में बेहतरी लाने के लिए अच्छे नियमों के साथ अच्छी नीयत का होना भी नितांत आवश्यक है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से विश्व स्तर पर किया जा रहा शांति स्थापना करने का कार्य निसंदेह ही समाज को नई दिशा देने में सफलता को प्राप्त करेगा। प्रशासकों को अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक पालन करने चाहिए। ऐसी मानसिकता बनाने के लिए आध्यात्मिकता को जीवन में लाने अति आवश्यकता है॥

संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि समय सबसे कीमती संपत्ति है। व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए त्याग भावना को अपनाने की जरूरत है। जो मनुष्य परमात्मा की शिक्षाओं को अपने आचरण में लाता है वह सामाजिक चुनौतियों अथवा जीवन में आने वाली परिस्थितियों से कभी हारता नहीं है। अपने जीवन को मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना, सर्वाधिक महत्वपूर्ण मूल्य है दृढ़ता, इससे अन्य सभी मूल्य आ जाते हैं। और मूल्यनिष्ठ संसार की रचना की आधारशिला भी दृढ़ता ही है। जिससे संसार स्वतः ही श्रेष्ठ बन जाएगा किंतु उसके आचार, विचार औंर संस्कारों में पवित्रता और सतोप्रधानता की जरूरत है। हालांकि कोई कितना ही धनी और भौतिक सुखद सुविधा से संपन्न व्यक्ति क्यों न हो कोई इस संसार में किंतु शरीर के साथ ही भौतिक संसाधन भी यहीं पर नष्ट हो जाते हैं परंतु आत्मा में निहित श्रेष्ठ संस्कार, पुण्य कर्मों का फल और ईश्वरीय आर्शीवाद ही साथ जाता है इसलिए आत्मा को सतोप्रधान बनाने का हर संभव पुरूषार्थ करना चाहिए।

दिल्ली सरकार मुख्य सचिव राकेश मेहता ने कहा कि बेहतर प्रशासन सभी को अपना कार्य सुविधा अनुसार करने की व्यवस्था देता है। जो प्रशासक प्रकृति का मित्र है, नैतिक है वही कुशल प्रशासक है।

संस्थान के महासचिव बीके निर्वैर ने कहा कि मूल्यों की धारणा करने से ही समाज को नई दिशा दी जा सकती है। ज्ञान के साथ ध्यानाभ्यास को जीवन का अभिन्न अंग बनाने की जरूरत है।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश योजना विभाग के प्रमुख सचिव देवेंद्र कुमार साहु, एअर मार्शल विनोद कुमार वर्मा, प्रशासनिक सेवा प्रभाग अध्यक्ष बीके महेंद्र, बीके मोहिनी बहन, बीके मृत्यजंय, प्रभाग संयोजिका बी. के. आशा बहन ने भी विचार व्यक्त किए। मुख्यालय संयोजक बीके हरीश ने मंच का संचालन किया।